पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, संघ विचारक नानाजी देशमुख और भूपेन हजारिका को मिला भारत रत्न

25 January 2019

भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है| उनके साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता और संघ विचारक नानाजी देशमुख और प्रख्यात संगीतकार भूपेन हजारिका को मरणोपरांत इस सम्मान से सम्मानित किया गया है|

प्रणव मुखर्जी के बारे में

- प्रणव मुखर्जी को 25 जुलाई 2012 को भारत का 13वां राष्ट्रपति चुना गया है तथा 25 जुलाई 2017 तक देश के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला|
- प्रणव मुखर्जी भारत के वित्तमंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके है| वह 1984 में वित्त मंत्री चुने गए थे|
- प्रणव मुखर्जी 1995 से लेकर 1996 तक विदेश मंत्री के रूप में भी कार्य कर चुके है|

नानाजी देशमुख के बारे में

- नानाजी देशमुख समाजसेवी और भारतीय जनसंघ के नेता के रूप में कार्य चुके है|
- दीन दयाल उपाध्याय शोध संस्थान के तहत तमाम समाजसेवा से जुड़े कार्यों के विस्तार में भी भाग लिया|
- नानाजी देशमुख पद्मविभूषण सम्मान से भी सम्मानित किया गया था|
- नानाजी देशमुख का 27 फरवरी 2010 को निधन हुआ|

भूपेन हजारिका के बारे में

- भूपेन हजारिका पूर्वोत्तर राज्य असम से एक बहुमुखी प्रतिभा के गीतकार, संगीतकार और गायक के रूप में प्रख्यात थे|
- उन्होंने गीत "दिल हूम हूम करे" और "ओ गंगा तू बहती है क्यों" गए तथा फिल्म "गांधी टू हिटलर" में महात्मा गांधी का पसंदीदा भजन "वैष्णव जन" गाया था|
- भूपेन हजारिका पद्म भूषण सम्मान(2011) से सम्मानित किया गया था|
- हजारिका को 1975 में सर्वोत्कृष्ट क्षेत्रीय फिल्म के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार, 1992 में सिनेमा जगत के सर्वोच्च पुरस्कार दादा साहब फाल्के सम्मान से सम्मानित से भी सम्मानित किया गया था | इसके साथ ही उन्हें 2009 में असोम रत्न और इसी साल संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था|

हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका कृष्णा सोबती का निधन

25 January 2019

25 जनवरी 2019 को हिंदी की प्रसिद्ध लेखिका कृष्णा सोबती का निधन हो गया है| वह 93 की हो गई थी| उन्होंने राजनैतिक तथा सामाजिक मुद्दों में अनेक रचनाएँ की|

प्रमुख्य बातें -

- लेखिका कृष्णा सोबती का जन्म पाकिस्तान के गुजरात में हुआ तथा भारत पाकिस्तान के विभाजन के बाद भारत आ गई थी तथा दिल्ली में रहने लगी थी|
- उन्हें 1980 में उनकी रचना जिंदगीनामा के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था|
- लेखिका कृष्णा सोबती को 1996 में साहित्य अकादमी का फैलो भी बनाया गया था|
- उन्हें शिरोमणि पुरस्कार(1981 में) और हिंदी अकादमी पुरस्कार(1982 में) सम्मान से सम्मानित किया गया था|
- लेखिका कृष्णा सोबती को वर्ष 2017 में भारतीय साहित्य के सर्वोच्च सम्मान "ज्ञानपीठ पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया था|
- मित्रो मरजानी, यारों के यार,डार से बिछुड़ी,सोबती एक सोहबत, जिंदगीनामा, ऐ लड़की, समय सरगम, जैनी मेहरबान सिंह,तिन पहाड़, सूरजमुखी अंधेरे के जैसे उपन्यासों की रचना की थी| इसके साथ ही उन्होंने 'बादलों के घेरे' कहानी संग्रह भी रचित किया|

www.cgpsc.info

रवनीत सिंह गिल होंगे यस बैंक के सीईओ और एमडी

25 January 2019

रवनीत सिंह गिल को यस बैंक के सीईओ और एमडी के रूप में चुना गया था| 01 मार्च 2019 तक इस पद भार को संभालेंगे| राणा कपूर का स्थान का स्थान लेंगे|

प्रमुख्य बातें -

- रवनीत सिंह गिल इससे पहले डॉयचे बैंक में कार्य कर रहे थे वह इस बैंक में बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे| उन्होंने डॉयचे बैंक को 1991 में ज्वाइन किया था|

www.cgpsc.info

नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस कोहासा की शुरुवात

25 January 2019

भारतीय नौसेना ने 24 जनवरी 2019 को अंडमान-निकोबार स्थित नौसेना वायु स्टेशन आईएनएस शिबपुर की आईएनएस कोहासा के रूप में शुरुआत की थी|

प्रमुख्य बातें -

- इस अवसर में एडमिरल सुनील लांबा पीवीएसएम, एवीएसएम, एडीसी, चैयरमैन सीओएससी और नौसेना प्रमुख उपस्थित थे|
- आईएन कोहासा का यह नाम व्हाइट बेलिड सी ईगल के नाम पर रखा गया है जो एक अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का स्थानीय बड़ा शिकारी पक्षी है|

www.cgpsc.info